



# KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform



**BIHAR SSC**



**(10+2) Level Batch**

**Hindi Medium**



**BALVEER SIR**

भारत में राष्ट्रवाद

पार्ट-10

1938 - हरिद्वार अधिवेशन



कांग्रेस में देशी रिखासतों में रहने वाले  
लोगों की समस्याओं को समर्थन  
देना स्वीकार कर लिया।

C. R. फार्मुला

10 जुलाई 1944

- ① साम्प्रदायिक समस्या के समाधान के लिए कांग्रेस व मुस्लिम लीग परामर्श करें
- ② मुस्लिम लीग की अलग पाकिस्तान की मांग को स्वीकार

आजाग पाकिस्तान की भांग  
को स्वीकार करने वाले  
1st कांग्रेसी नेता

चक्रवर्ती राजगोपालाचार्य

- ③ उत्तर-पश्चिमी व पूर्वी दोंगो मे  
मुस्लिम बाहुल्य दोंगो मे जनमत संग्रह
- ④ रहता, परिवर्द्धन, संयार ये दोनो दशा  
एक साथ साक्षा करेगे।
- ⑤ भारत पूर्ण स्वतंत्र हो

⇒ जिन्ना ने C.R. फार्मुला को अरबीकरण  
कर दिया ⇒

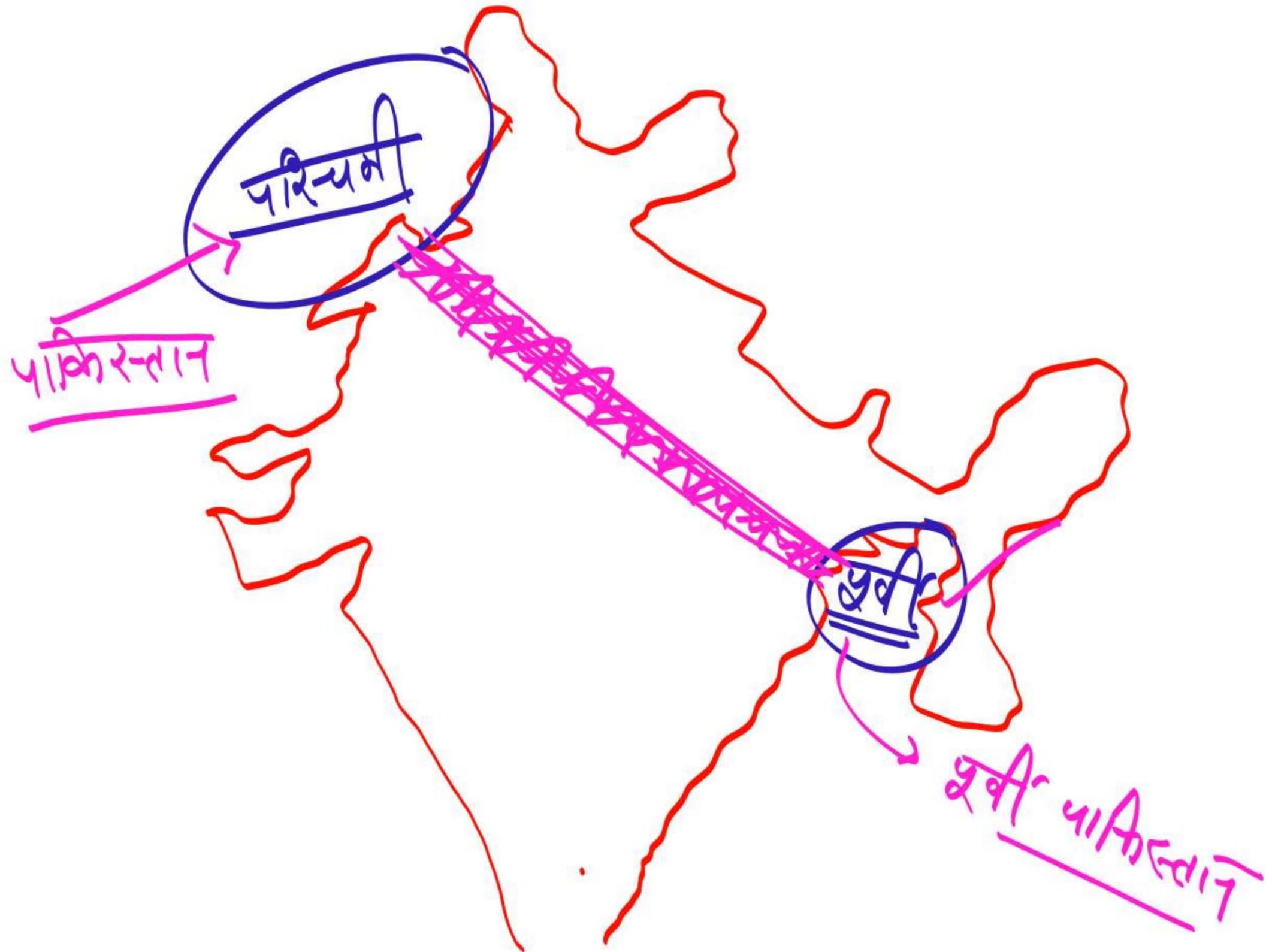
जिन्ना की मांग ->

- ① जनमत केवल मुस्लिमों से कराया जाय।
- ② परिचयी व पूर्वी क्षेत्र को जोड़ने के लिए एक गालियारा प्रदान करें
- ③ रक्षा, परिवहन व संचार की साझेदारी पर होसकमति प्रदान की।

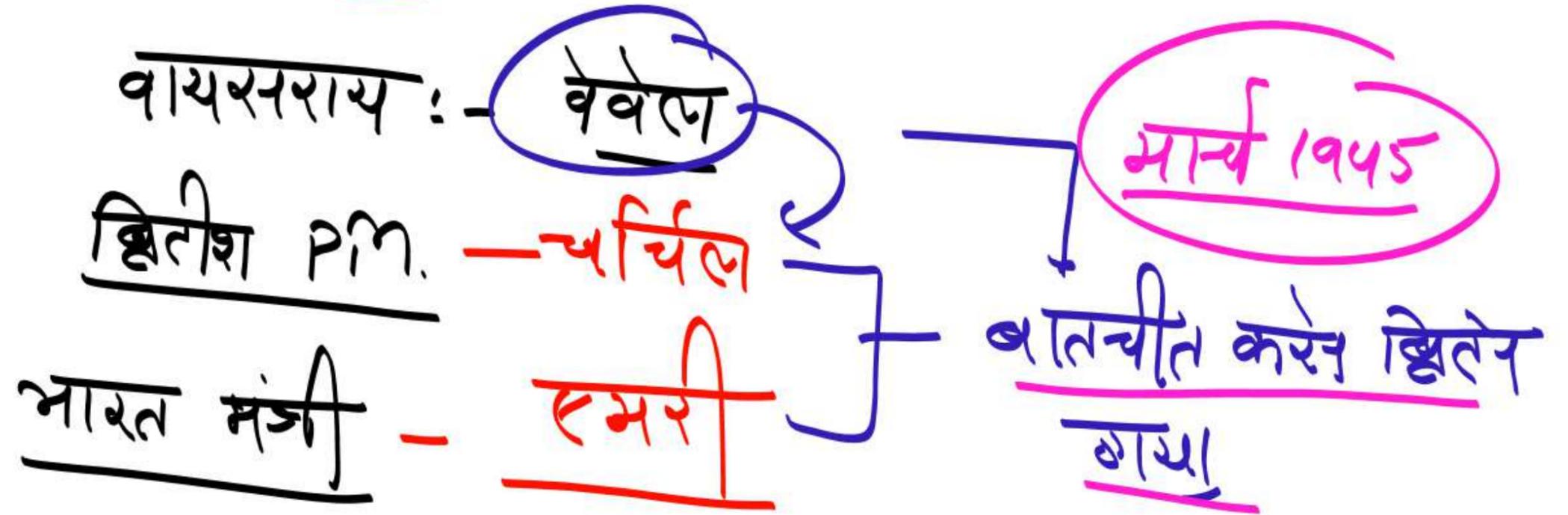
गांधीजी ने जिन्ना को  
मनाते की कोशिश की  
तथा उन्हें ठपाधि

प्रदान की ⇒

कायदे - आजम



# वेवेल योजना



⇒ शिमला में सर्वदलीय सम्मेलन बुलाया जाएगा।

14 जून 1945 - वेवेल ने अपनी योजना प्रस्तुत की।

⇒ वायसराय की कार्यकारीनी ने सेनापति के पद को छोड़कर सारे पद भारतीयों को दे दिए जाएंगे।

⇒ गर्वर जरूर बंटो का प्रयोग नहीं करेगा।

⇒ कार्यकारीनी में हिन्दु मुस्लिमों की संख्या बराबर

⇒ कुछ समाप्ती के बाद भारतीय अपना स्वयं

का संविधान बनाए

⇒ कांग्रेस में बंटी नेता को रखा

शिमला सम्मेलन — २५ जून १९५५

२२ प्रतिनिधियों के भाग लिया

कांग्रेस के प्रतिनिधि :- मौलाना अबुलकलाम

आजाद

जिन्ना :-

कार्यकारिणी में शामिल सभी मुस्लिम सदस्य  
मुस्लिम लीग से भी हारगे

कांग्रेस के भारतीकार किया

# शाही जॉ सेना विद्रोह

18 फरवरी 1946



N. S. तलवार

जहाज

अराब खान की शिकायत को लेकर  
सेना को नष्ट भा-दालान कर दिया।

जहाज  
शिकायत

B. C. कृतः  
वि

अंग्रेजों ने जहाज पर नारा लिखा

→ अंग्रेजों आरत बोडे

विज्ञेही न संस्को न

M. S. खान

क

नेवृत्तव हस्ताक्षर आरम्भ



16 मई 1956 => कबिनेट मिशन ने अपनी रिपोर्ट पेश की।

① भारतीय संघ (आंग्लो प्रान्त + देशी रियासतों) का निर्माण

② प्रान्तों को तीन कैटेगरी में बांट दिया

1 -> महाराष्ट्र, आन्ध्र, गुजरात, मद्रास, बाम्बे, UP, बिहार, महाराष्ट्र, उड़ीसा

2 -> पंजाब, उ.प. सीमा प्रान्त, सिंध

3 -> बंगाल, असम

⇒ संविधान निर्माण के लिए संविधान सभा का गठन

⇒ राज्य पाकिस्तान की मांग को अस्वीकार

↓ कारण -

① राज्यसंघों की स्थिति अथावत

② भौगोलिक स्थिति

③ वैरी रियासतों

④ संसाधनों का अंतर

मुस्लिम लीग ने संविधान सभा का  
बाहिष्कार कर दिया

16 August 1946 => प्रत्यक्ष कार्यवाही विप्लव  
साम्प्रदायिक दंगे प्रारम्भ

3 Sep. 1946 - अंतरिम सरकार गठन (12 सदस्य)  
(उसमें मुस्लिम लीग के)

## दिल्ली की योजना

- ① 1958 से पहले भारत को स्वतंत्र कर दिया जाएगा
- ② माउन्टेबैन को भारत का वायसराय बनाकर भेजा।

3 मार्च 1947 - आउटलेट भारत आया

योजना बनायी - 3 जून 1947 को पेश

- ① भारत व पाकिस्तान का विभाजन होना चाहिए
- ② बंगाल व पंजाब विधानमंडल का बंटवारा
- ③ रेडक्लिफ आयोग सीमांकन

## भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम (18 जुलाई 1947)

- ① 15 जून 1947 को भारत व पाकिस्तान दो स्वतंत्र देश अस्तित्व में आयेगे
- ② दोनो देशों को राष्ट्रमंडल से अलग होने का पूर्ण अधिकार
- ③ दोनो की अलग प्रविधान सभा का गठन

④ देशी रियासतें आंग्लों की संधियों से  
पूर्व मुक्त हैं।

---

⑤ ब्रिटेन के शासन के दि जाने वाली  
कसर - २ - दिन की हफाथि - समाप्ती ।

---



# KHAN GLOBAL STUDIES

## Most Trusted Learning Platform

# THANKS FOR WATCHING

